Sanskrita Bina Shiksha Adhuri

संस्कृत बिना शिक्षा अधूरी

Document Information

Text title : Sanskrita Bina Shiksha Adhuri

File name : sanskRRitabinAshikShAadhUrI.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

संस्कृत बिना शिक्षा अधूरी

भारतीय जनता की शिक्षा संस्कृत बिना अधूरी है,
इसीलिए संस्कृत की शिक्षा सबके लिए जरूरी है । ०
हिन्दू हों या जैन बौद्ध हों सिक्ख पारसी भाई हों,
ब्राह्मण हों या हरिजन हों या मुसलमान ईसाई हों,
आस्तिक हों या नास्तिक हों पर भारतभूमि निवासी हैं,
भारत के निर्व्याज हितैषी निष्ठायुत विश्वासी हैं,
तो संस्कृत-संस्कृत से परिचय उनका बहुत जरूरी है,
भारतीय जनता की शिक्षा संस्कृति बिना अधूरी है । १
अगर देश में रहकर इसका हित साधन भी करना है,
राजकीय सेवाओं में भी उच्च पदों पर बढ़ना है,
तो हिन्दी की उच्च योग्यता पर भी देना होगा ध्यान,
पर संस्कृत के बिना न हो सकता हिन्दी का उत्तम ज्ञान,
रोटी के भी लिए आज संस्कृत का ज्ञान जरूरी है,
इसीलिए जनता की शिक्षा संस्कृत बिना अधूरी है ।

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sanskrita Bina Shiksha Adhuri
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*